**प्रश्न** – **बाघ न केवल प्राकृतिक सौन्दर्य, बल्कि पारिस्थितिकी संतुलन हेतु आवश्यक कड़ी है। इस कथन की व्याख्या करते हुए इसके समस्यात्मक पहलुओं को भी उजागर करें।** **( 200 शब्द )**

## मॉडल उत्तर

**भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है–**

- अपने प्राकृतिक सुंदरता के कारण आकर्षण का केन्द्र है।
- अपनी प्राकृतिक विशेषता के कारण राष्ट्र का प्रतीक है।

⇨ **पारिस्थितिक संतुलन–**

- इसके द्वारा जंगल के शाकाहारी तथा मांसाहारी प्रजातियों में संतुलन स्थापित करता है, अत: यह एक अम्ब्रेला प्रजाति है।
- किसी भी पारिस्थितिक तंत्र के बाघ की उपस्थिति उस पारिस्थितिकी तंत्र के स्वस्थ एवं समृद्ध होने का प्रतीक है।
- इसके द्वारा प्राथमिक उपभोक्ताओं का शिकार किया जाता है, जिससे अतिचारण की समस्या नहीं होती।
- इसके द्वारा अतिचारण को रोकने के कारण पारिस्थितिकी तंत्र कार्बन चक्र बनाए रखने में सहायक है।
- वनों की सघनता वर्षा, भूमिगत जल के साथ वायु प्रदूषण रोकने में सहायक है।
- बाघ एक पर्यटक आकर्षण का केन्द्र है, जिससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलता है।

⇨ **समस्यात्मक पहलू**

- अनियंत्रित विकास से मानव तथा वन्य जीव संघर्ष तथा शिकार।
- अवैध शिकार से प्रजातीय विविधता प्रभावित।
- अत्यधिक पर्यटन के कारण पारिस्थितिक असंतुलन की समस्या।
- विकासात्मक परियोजनाओं के कारण बाघों की मृत्यु तथा विस्थापन।
- क्षेत्र सीमित (जैसे केन बेतवा)
- निगरानी तकनीकी के कारण बाघों का प्रभावित होना।
- वन रक्षकों में आवश्यक प्रशिक्षण की कमी इत्यादि।

**संक्षिप्त संतुलित निष्कर्ष–**